

षंडी स्त्री. (तत्.) ऐसी स्त्री जो स्त्रीत्व के विशेष लक्षणों (स्तनों का विकास व रजोधर्म आदि) से युक्त न होने के कारण पुरुष समागम के अयोग्य हो।

षण्ड पुं. (तत्.) 1. जो युवा पुरुष स्त्री के साथ सहवास करने में अक्षम हो 2. नपुंसक, क्लीव, हिजड़ा 3. शिव।

षण्डा स्त्री. (तत्.) मरदानी औरत जो स्वरूप व स्वभाव से पुरुष जैसी लगती हो।

षण्डिता स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसमें नारीत्व के लक्षण न हों, षंडीयोनि।

षग पुं. (तत्.) 1. खग, पक्षी।

षट् वि. (तत्.) 1. जो गिनती में छह की संख्या में हो पुं. 1. छह का अंक, गणना में पाँच और के बाद की संख्या 2. संगीत में षाडव जाति का एक राग जो सबेरे के समय गाया जाता है।

षट् आनन वि./पुं. (तत्.) 1. छह मुख वाला या छःमुख हों जिसके 2. शिवपुत्र कार्तिकेय, षडानन।

षट्क पुं. (तत्.) 1. छह वस्तुओं या विकारों का समूह, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर इन छः दोषों का समूह।

षट्कर्म पुं. (तत्.) 1. ब्राह्मणों के छह प्रकार के कर्म जैसे- पढ़ना, पढ़ाना, यज्ञ करना, यज्ञ कराना, दान देना, दान लेना 2. तंत्रशास्त्र के अनुसार छह कर्म-मारण, मोहन, उच्चाटन स्तंभन, विदूषण और शांति 3. योगशास्त्र में धौति, वस्ति, नेति, नौलि, त्राटक, कपालभाती ये छह कर्म 4. खटराग, झंझट।

षट्कर्मा पुं. (तत्.) षट्कर्म करने वाला ब्राह्मण, तांत्रिक, योगी या कोई व्यक्ति।

षट्कोण वि. (तत्.) ज्यामितीय वह आकृति जिसमें छह कोण हों पुं. 1. छह भुजाओं वाली कोई आकृति या बनावट 2. इन्द्र का वज्र।

षट्खंड वि. (तत्.) 1. वह भवन या इमारत जिसमें छह खंड या तल हो 2. छह खंडों, टुकड़ों या भागों में बाँटी गई जमीन आदि।

षट्गुणित वि. (तत्.) 1. जो अपने मूल रूप से छह गुना दिखाई दे 2. जीवन को निर्धारित करने वाले एक गुणसूत्र की तुलना में छह गुणसूत्रों का समूह।

षट्चक्र पुं. (तत्.) 1. हठयोग के अनुसार कुंडलिनी के ऊपर स्थित छह चक्र जैसे- मूलाधार स्वाधिष्ठान, मणिपूर, अनाहत, विशुद्धि तथा आज्ञा, इन छह चक्रों का भेदन कर कुंडलिनी सहस्रार चक्र में पहुँचती है जहाँ योगी अमृत प्राप्त करता है 2. षड्यंत्र।

षट्तिला-एकादशी स्त्री. (तत्.) वह एकादशी तिथि जो माघ मास के कृष्णपक्ष में होती है तथा श्रद्धालु जन्म व्रत रखते हैं।

षट्दर्शन पुं. (तत्.) भारतीय छहः दर्शन जिनमें सृष्टि के सभी तत्वों का चिंतन किया गया है, ये- छह शास्त्र भी कहे जाते हैं सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदांत उदा. छहो शास्त्र सदग्रंथन को रस।

षट्स वि./पुं. (तत्.) छह अधिक दस अर्थात् 16 सोलह।

षट्पद वि. (तत्.) छह पैरों वाला कोई जीव जन्तु, प्राणी पुं. भौरा।

षट्पदातिथि पुं. (तत्.) 1. षट्पद (भ्रमर) हैं अतिथि जिसके= आम का वृक्ष, अर्थात् जहाँ भौरा अतिथि के रूप में रसग्रहणार्थ जाता है 2. चंपा का पेड़।

षट्पदी स्त्री. (तत्.) 1. भौरी, भ्रमरी 2. छह चरणों वाला एक छंद जैसे-कुंडलियाँ, छप्पय आदि।

षट्पर्णी वि. (तत्.) छह पत्तों वाली (कोई वनस्पति)।

षट्पाद पुं. (तत्.) 1. छह पैरों वाला 2. भौरा।

षट्पुंकेसरी पुं. (तत्.) जिसमें प्रजनन करने योग्य छह पुंकेसर हो।

षट्पुमंगी पुं. (तत्.) जिसमें छह पुंत्व हों किंतु यह सुनिश्चित नहीं है कि वे सारे प्रजनन में सक्षम हों।

षट्प्रज्ञ वि. (तत्.) 1. छह तत्वों-धर्म-अर्थ काम, मोक्ष, लोकार्थ और तत्त्वार्थ का ज्ञाता पुं. 1. कामुक, लंपट 2. नेक पड़ोसी।